SCERT, UK
उत्तराखण्ड (SCERT)
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
(DIET), बड़कोट, उत्तरकाशी
Udhyam
Learning Foundation
BET ON YOURSELF
''कौशलम्'' कार्यक्रम के अंतर्गत
कौशलम् पाठ्यचर्या
शिक्षक अभिमुखीकरण
दिनांक
20/08/2026 से 22/08/2026
स्थान
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
(DIET), बड़कोट, उत्तरकाशी
आइए, उद्यमिता की सोच शिक्षा के साथ जोड़ें
और भविष्य की पीढ़ी को तैयार करें।
DIET.BKT (2)
T.E./IFIC/2024-25

उत्तराखण्ड शासन
SCERT, UK
दिनांक

(SCERT)
(DIET), बड़कोट, उत्तरकाशी
कौशलम् पाठ्यचर्या

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
बड़कोट (उत्तरकाशी)
(SCERT)
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), बड़कोट, उत्तरकाशी
Udhyam
Learning Foundation
BET ON YOURSELF
''कौशलम'' कार्यक्रम के अंतर्गत
कौशलम् पाठ्यचर्या
शिक्षक अभिमुखीकरण
कक्षा 11 हेतु
कौशलम कार्यक्रम के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु शिक्षकों का क्षमता संवर्धन एवं मार्गदर्शन
स्थान

डायट बड़कोट में कौशलम के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण का सफल आयोजन

<u>विनोद रावत (जिद्दी कलम)</u>

बड़कोट/नौगाव। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट,बड़कोट, नौगाव, उत्तरकाशी में कौशलम कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों में कौशल–आधारित अधिगम, रचनात्मकता, नवाचार, समस्या समाधान, आत्मविश्वास एवं व्यावहारिक जीवन कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक ज्ञान एवं गतिविधि–आधारित शिक्षण तकनीकों से परिचित कराना रहा।

संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी ने प्रशिक्षण के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कौशल आधारित शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण से जोड़ने के साथ–साथ विद्यार्थियों में रचनात्मक, आत्मनिर्भरता, व्यावहारिक दक्षता एवं समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कौशलम की अवधारणा, उद्देश्यों तथा विद्यालयी

शिक्षा में कौशल–आधारित शिक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। विभिन्न गतिविधियों, समूह कार्य, प्रायोगिक अभ्यास, चर्चा एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षण को गतिविधि–आधारित एवं सहभागी बनाया गया।

कक्षा 10 के लिए विकासखंड चिन्यालीसौड़, नौगांव एवं पुरोला के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जबकि कक्षा 11 के लिए जनपद उत्तरकाशी के सभी विकासखंडों से शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को विद्यार्थियों की रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कौशल विकास, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, रचनात्मक गतिविधियों तथा कार्यानुभव आधारित अधिगम को विद्यालयी शिक्षण से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कक्षा 11 के प्रशिक्षण में संदर्भदाता के रूप में जगजीवन शाह एवं नितेश चौहान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने विषय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया तथा विद्यालय स्तर पर कौशलम की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में मार्गदर्शन दिया। इसी क्रम में कक्षा 10 के प्रशिक्षण के लिए संदर्भदाता के रूप में वासुदेव रावत, मनीष असवाल एवं गुरुदेव असवाल ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। संदर्भदाताओं द्वारा गतिविधि–आधारित शिक्षण, विद्यार्थियों की सहभागिता तथा स्थानीय परिवेश एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया।

कौशलम प्रशिक्षण के समन्वयक श्री अरविन्द चौहान ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। शिक्षा को जीवनोपयोगी एवं कौशल–आधारित बनाना समय की आवश्यकता है।

प्रशिक्षण सहसमन्वयक मो. अरशद अंसारी ने कहा कि कौशलम के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता , समस्या समाधान, सहयोग की भावना एवं आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक स्थानीय संसाधनों एवं विद्यालयी परिवेश को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़कर विद्यार्थियों को सीखने के अधिक अवसर प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव को विद्यालयों तक ले जाएं तथा विद्यार्थियों को अधिक से अधिक कौशल–आधारित एवं गतिविधि–आधारित अधिगम के अवसर प्रदान करें। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया तथा अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी, व्यावहारिक एवं विद्यालयी संदर्भ में प्रभावी बताते हुए प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल को अपने–अपने विद्यालयों में लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के सफल समापन के अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों एवं अपेक्षित परिणामों की जानकारी देते हुए विद्यालय स्तर पर कौशलम गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य सुशील जोशी, शांति रतूड़ी, गोपाल सिंह राणा, रिचा उनियाल आदि मौजूद रहे?